आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–29 सितम्बर 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में लोगों से की वोकल फॉर लोकल को अपना मंत्र बनाने की अपील। कहा–स्वदेशी उत्पादों से ही होकर गुजरता है देश को आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकसित उत्तर प्रदेश–दो हजार सैंतालीस विषय पर गोरखपुर से किया वर्चुअल संवाद। सभी क्षेत्र पंचायतों में एक–एक गोष्ठी का आयोजन कराने की अपील की।
- केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने वाराणसी में तीन दिवसीय एमएसएमई सेवा पर्व का किया उद्घाटन। कहा–स्वदेशी उत्पादों का निर्माण कर साकार किया जा सकता है विकसित भारत का सपना।
- एशिया कप टी–ट्वेंटी क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हरा कर नौवीं बार जीता खिताब।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोहराया है कि देश को आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता स्वदेशी उत्पादों से ही होकर गुजरता है। कल आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में, प्रधानमंत्री ने लोगों से आगामी त्योहारों को स्वदेशी उत्पादों के साथ मनाने और वोकल फॉर लोकल को अपना मंत्र बनाने का आग्रह किया। उन्होंने नागरिकों से देश में उत्पादित उत्पाद खरीदने का संकल्प लेने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि त्योहारों के मौसम में स्वच्छता, केवल घरों तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे गलियों, मोहल्लों, बाजारों और गाँवों तक फैलाना चाहिए।

दो अक्टूबर को मनाई जाने वाली गांधी जयंती का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हमेशा स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया और खादी उनमें सबसे प्रमुख थी। उन्होंने कहा कि पिछले ग्यारह वर्षों में खादी के प्रति देश का आकर्षण काफी बढ़ा है।

पिछले कुछ वर्षों में खादी की बिक्री में बहुत तेजी देखी गई है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि 2 अक्टूबर को कोई ना कोई खादी प्रोड्कट जरूर खरीदें। गर्व से कहें – ये स्वदेशी हैं। इसे सोशल मीडिया पर हैशटैग वोकल फॉर लोकल के साथ शेयर भी करें।

प्रधानमंत्री ने सात अक्तूबर को मनाई जाने वाली महर्षि वाल्मीकि जयंती के संबंध में कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने ही रामायण के माध्यम से लोगों को भगवान राम के अवतार से जुड़ी कथा से अवगत कराया।

07 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि जयंती है। हम सब जानते हैं, महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति के कितने बड़े आधार हैं। ये महर्षि वाल्मीकि ही थे, जिन्होंने हमें भगवान राम की अवतार कथाओं से इतने विस्तार से परिचित करवाया था। उन्होंने मानवता को रामायण जैसा अद्भुत ग्रंथ दिया।

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को कल प्रदेश भर में सुना और सराहा गया।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल 'विकसित उत्तर प्रदेश–दो हजार सैंतालीस' विषय पर वर्चुअल माध्यम से प्रदेश भर के जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्यों और क्षेत्र पंचायत सदस्यों से संवाद किया। गोरखपुर से यह वर्चुअल संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश' विषय पर सभी क्षेत्र पंचायतों में एक–एक गोष्ठी का आयोजन अवश्य किया जाए। उन्होंने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की चर्चा की और कहा कि उत्तर प्रदेश, देश में सबसे तेज गति के साथ आर्थिक प्रगति करने वाला राज्य है।

****

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल बलरामपुर में आठ सौ पचीस करोड़ रुपये लागत की एक सौ चौबीस विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना भेदभाव के जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग को उपलब्ध करावाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कल गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर यूपी सिंह के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

****

प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में "खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन" विषय पर आयोजित सेमिनार में कहा कि प्रदेश के सभी पचहत्तर जिलों में नौ से 16 अक्टूबर तक आठ दिवसीय ट्रेड शो आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में उद्यमियों को निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे अपने उत्पादों का व्यापक प्रचार–प्रसार कर सकें। ट्रेड शो के दौरान कल शाम एक पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश सरकार के आद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने भी हिस्सा लिया।

****

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीतनराम मांझी ने वाराणसी के रूद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में कल से शुरू हुए तीन दिवसीय एमएसएमई सेवा पर्व की शुरुआत की। इस मौके पर राज्य मंत्री शोभा करन दलांजे भी मौजूद रही। सेवा पर्व में पंद्रह सौ से अधिक लाभार्थी मौजूद रहे। केन्द्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने अपने सम्बोधन में कहा कि एमएसएमई के माध्यम से स्वदेशी उत्पादों का निर्माण कर विकसित भारत का सपना साकार किया जा सकता है।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी बचत उत्सव की घोषणा की थी। बाइस सितम्बर से शुरू हुए यह उत्सव समाज के सभी वर्गों को लाभान्वित कर रहा है। एक रिपोर्ट–

नई पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के तहत कई आवश्यक चाइल्ड केयर उत्पादों जैसे दूध की बोतलें, नैपकिन और शिशुओं के लिए नैपकिन लाइनर पर जीएसटी दर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह नवजात शिशु के बेहतर स्वास्थ्य और स्वस्थता को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने अल्ट्रा हाई टेंप्रेचर दूध पर जीएसटी हटा दिया है। इसके साथ ही थर्मामीटर पर जीएसटी 18 प्रतिश से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। इससे शिशुओं के स्वास्थ्य से जुड़ी वस्तुएं सस्ती होंगी और युवा परिवारों को अधिक राहत मिलेगी। आकाशवाणी समाचार से बात करते हुए वाराणसी के निवासी कोमल ने जीएसटी दरों को कम करने के लिए सरकार के फैसले की सराहना की और कहा कि नई जीएसटी दरों से आम जनता के लिए छोटे बच्चों के उपयोग में आने वाली वस्तुएं खरीदना अब और भी किफायती हो जाएगा। इस महीने की 21 तारीख को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के नाम अपने संबोधन में देशवासियों से घरेलू उद्योगों, छोटे निर्माताओं, स्थानीय कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील भी की। रोहन के साथ दृष्टि पुनियानी, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार, सेवा और सुशासन यानी जनसेवा तथा सुशासन के मंत्र पर चलते हुए, परिवर्तन और प्रगति के लिए अथक प्रयास कर रही है। आकाशवाणी समाचार अपने श्रोताओं के लिए एक विशेष श्रृंखला– 'सेवा पर्व' लेकर आया है। आज की कडी में, हम बता रहे हैं कि कैसे नरेन्द्र मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से देश के किसानों को सशक्त बनाया है।

भारत सदियों से खेती किसानी का देश रहा है। देश की बड़ी आबादी खेती किसानी पर ही निर्भर है। अन्न भंडार भरने वाले किसानों को आए दिन कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किसनों की इन्हीं परेशानियों को समझा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने और उनकी तरफ बढ़ाया मदद का हाथ और 1 दिसंबर 2018 के दिन प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की घोषणा की गई। जिसकी शुरुआत 24 फरवरी 2019 को गोरखपुर से हुई तब प्रधानमंत्री ने कहा था–

अब किसानों को बीज खरीदने के लिए, खाद खरीदने के लिए, दवा खरीदने के लिए, बिजली का बिल भरने के लिए, खेती से जुड़ी ऐसी अनेक जरूरतों के लिए परेशान नहीं होना होगा। केंद्र सरकार हर साल जो 6 हजार रुपये सीधे आपके बैंक खाते में ट्रांसफर करेगी।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अब तक की सबसे बड़ी लोक कल्याणकारी योजना है। इस योजना के तहत किसानों को हर चार महीने बाद दो हजार रुपये की रकम दी जा रही है। जिसे सीधे उनके खाते में ट्रांसफर किया जाता है। इस योजना के हर लाभार्थी को पूरी की पूरी रकम मिल जाती है। सालाना 6 हजार रुपये की इस मदद से किसानों को खेती किसानी के काम में बहुत सहूलियतें हुई हैं।

किसान सम्मान निधि योजना के तहत अब तक 21 किस्तों में तीन लाख 90 हजार करोड़ से ज्यादा की रकम सीधे किसानों की खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है। जिससे किसानों की जिंदगी आसान हुई है।

****

एशिया कप टी–ट्वेंटी क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत ने कल रात पाकिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। इस तरह देश ने नौवीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ सहित देश के सभी प्रमुख लोगों ने इस जीत पर भारतीय टीम को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में एशिया कप टूर्नामेंट में भारत–पाकिस्तान फाइनल मैच की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से करते हुए कहा कि नतीजा वही रहा और भारत जीत गया।

****